

उत्तराखण्ड शासन

वित्त अनुभाग-8

सं० /2015/181(120)/XXVII(8)/08

देहरादून:: दिनांक:: 20 जनवरी 2015

अधिसूचना

चूंकि राज्य सरकार का समाधान हो गया है कि लोक हित में ऐसा करना समीचीन है;

अतएव, अब, राज्यपाल, उत्तराखण्ड मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2005 (अधिनियम सं० 27 वर्ष 2005ए समय-समय पर यथा संशोधित) की धारा 4 की उपधारा (7) सपठित उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम, 1904 (अधिनियम सं० 01 वर्ष 1904, उत्तराखण्ड राज्य में यथा प्रवृत्त) की धारा 21 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके, सहर्ष घोषणा करते हैं कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से, अधिनियम में दी गयी शर्तों एवं प्रतिबन्धों के साथ-साथ निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन विक्रेता व्यापारी अपने द्वारा बेचे गये माल के संबंध में रियायती करदर का दायी होगा-

(1) उपर्युक्त रियायती दर निम्न प्रकार अथवा प्रजाति के वृक्ष, चाहे वह उगाये, काटे अथवा चीरे गए हों, के टिम्बर अथवा वुड की खरीद या बिक्री पर लागू नहीं होगी-

"सागौन(टीक), देवदार, साल, शीशम, कैल और सैन"

और धारा 4 की उपधारा (7) के खण्ड (ख) के अधीन किसी ब्यौहारी को जारी मान्यता प्रमाण पत्र तदनुसार संशोधित समझा जायेगा और मान्यता प्रमाण पत्र धारक ब्यौहारी को खरीद पर, इस प्रकार की टिम्बर अथवा वुड की खरीद पर विशेष रियायत अनुमन्य नहीं होगी, और नियम 23 में किसी बात के होते हुए, मान्यता प्रमाण पत्र धारक ब्यौहारी इस प्रकार अथवा प्रजाति की टिम्बर अथवा वुड के लिए विक्रेता ब्यौहारी को प्रमाण पत्र(निर्धारित प्ररूप में) नहीं देगा।

(2) किसी प्रकार/ प्रजाति के टिम्बर अथवा वुड की बिक्री अथवा खरीद के मामले में बिक्री अथवा खरीद इनवॉयस और विक्रेता ब्यौहारी को दिए गए प्रमाण पत्र में माल के विवरण में इसके प्रकार एवं प्रजाति का उल्लेख किया जायेगा।

(राकेश शर्मा)

अपर मुख्य सचिव।

सं० 99/2015/181(120)/XXVII(8)/2008 तददिनांक।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1-आयुक्त, कर, उत्तराखण्ड, देहरादून को इस आशय से कि वे अपने स्तर से सम्बन्धित अधिकारियों, कर अधिवक्ताओं व करदाताओं को अवगत करा दें।

2-निदेशक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री उत्तराखण्ड, रुड़की जिला हरिद्वार को अधिसूचना की हिन्दी/अंग्रेजी प्रतियाँ इस आशय से प्रेषित कि इसे असाधारण गजट में प्रकाशित करते हुये 100-100 प्रतियाँ वित्त अनुभाग-8 में अविलम्ब उपलब्ध करा दें।

3-भाषा अनुभाग, उत्तराखण्ड सचिवालय।

4-सलाहकार 'कर', उत्तराखण्ड शासन।

5-एन०आई०सी०

6-गार्ड फाईल हेतु।

(राकेश शर्मा)

अपर मुख्य सचिव।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Notification No. 99 / 2015 / 181(120) / XXVII(8)/08 dated 20 JANUARY 2015 for general information.

Government Of Uttarakhand
Vitta Anubhag-8
No. 99 / 2015 / 181(120) / XXVII(8) / 08
Dehradun :: Dated: : 20 JANUARY, 2015

Notification

WHEREAS, the State Government is satisfied that it is expedient so to do in public interest;

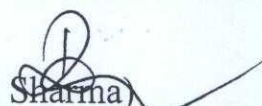
NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 4 of the uttarakhand Value Added Tax Act, 2005 (Act No. 27 of 2005, as amended from time to time) read with section 21 of the Uttar Pradesh General Clauses Act, 1904 (U.P. Act No. 1 of 1904 as applicable in the State of Uttarakhand), the Governor is pleased to declare that, with effect from the date of publication of this notification in Gazette, the selling dealer shall be liable, in respect of the goods sold by him, to tax at a concessional rate subject to the **following conditions and restrictions** in addition to the other conditions or restrictions provided in the Act;

(i) The aforesaid concessional rate shall not be applicable to the sale or purchase of Timber or Wood, of trees whether growing or cut or sawn, of the following kinds or species-

"Teak, Devdar, Sal, Sheesham, Kail and Sain."

and the recognition certificate issued under clause (b) of sub-section (7) of section 4 to any dealer shall be deemed to have been amended accordingly and the recognition certificate holder shall not be eligible for the special relief on the purchase of such timber or wood and notwithstanding anything contained in rule 23, the recognition certificate holder shall not furnish to the selling dealer a certificate (in the prescribed Form) for such kinds or species of timber or wood.

(ii) in case of sale or purchase of any kind or species of timber or wood, its kind and species shall be mentioned, as description of goods, in the sale or purchase invoice and the certificate furnished to the selling dealer.


(Rakesh Sharma)
Additional Chief Secretary.